Dr Anshu Pandey
Assistant Professor
History department

Rise of Totalitarianism in Europe

सर्वसत्तावाद के उदय के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक कारण

सर्वसत्तावाद के उदय के पीछे सबसे प्रमुख कारण था लोकतांत्रिक संस्थाओं की विफलता। युद्ध के बाद बने संसदीय शासन अनुभवहीन थे। गठबंधन सरकारें जल्दी गिर जाती थीं, जिससे जनता का विश्वास टूट गया।

आर्थिक कारण और भी अधिक गहरे थे। युद्ध के बाद महँगाई बढ़ी, मुद्रा का अवमूल्यन हुआ और बेरोजगारी भयावह स्तर तक पहुँच गई। 1929 की महामंदी ने इस संकट को चरम पर पहुँचा दिया। लाखों लोग बेरोजगार हो गए, बैंक बंद हो गए और उद्योग ठप पड़ गए।

इस आर्थिक संकट ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि लोकतंत्र उनकी समस्याओं का समाधान नहीं कर सकता। लोग एक ऐसे मजबूत नेता की तलाश में थे जो निर्णायक फैसले ले सके।

सामाजिक स्तर पर भी गहरा असंतोष था। मध्यम वर्ग को समाजवाद और साम्यवाद से भय था, जबकि मजदूर वर्ग पूँजीवादी शोषण से त्रस्त था। सर्वसत्तावाद ने स्वयं को इन दोनों के बीच एक विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय अपमान और अस्मिता संकट भी अत्यंत महत्वपूर्ण कारण थे। जर्मनी को वर्साय संधि द्वारा अपमानित किया गया, जबकि इटली को युद्ध के बाद अपेक्षित लाभ नहीं मिला। यह अपमानजनक स्थिति राष्ट्रवादी उग्रता में बदल गई।